बागवानी संबंधी उपकरण व यंत्र

कुछ सामान्य उपकरण व यन्त्र जो कृषि कार्य में उपयोगी होती हैं, वे निम्नलिखित हैं –

1. देशी हल
2. विदेशी हल
3. खुरपी
4. जेंता
5. बेलचा
6. हसुआ
7. कैंची
8. चाकू
9. सबल
10. पारा आदि

Scanned with CamScanner

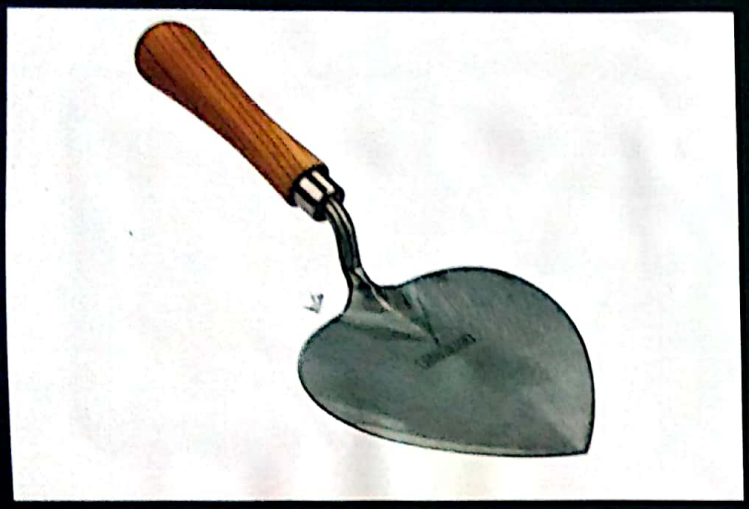

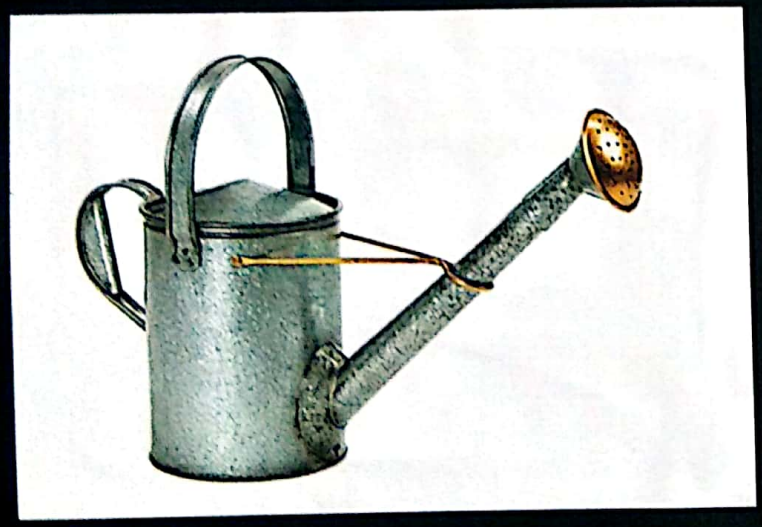

Scanned with CamScanner

1. देशी हल :- यह एक नुकीला उपकरण है, जिसका उपयोग मिट्टी की जुताई करने एवं मिट्टी को उलटने-पलटने में होता है। यह लकड़ी का उपकरण होता है। यह पशुओं द्वारा खींचा जाता है।

2. विदेशी हल :- यह लकड़ी तथा लोहे को मिश्रित कर बनाया जाता है। यह हल दोमट मिट्टी के लिए अधिक उपयोगी है।

3. खुरपी :- यह लोहे की नाक वाला छोटा सा उपकरण है। यह छोटे स्तर पर मिट्टी खोदने का काम करता है। घरों की वाटिकाओं आदि में इसका उपयोग है।

4. गैंता :- मजबूत धरती में मिट्टी के अन्दर ईंट, पत्थर और कभी-कभी काँच के टुकड़े होते हैं। इन्हें हटाने के लिए इसका उपयोग होता है।

5. बेलचा :- बेलचा मिट्टी, खाद, कूड़ा आदि को इधर-उधर करने एवं मिट्टी को उठाने में इसका प्रयोग किया जाता है।

6. हँसुआ :- प्रायः सब्जियों, पौधों और घास आदि को काटने-छाँटने के लिए हँसुआ का प्रयोग किया जाता है।

7. कैंची :- यह पौधों को काटने-छाँटने के लिए बागवानी में उपयोग में लाया जाता है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

8. चाकू :- यह फल - फूल एवं पौधों के तनों आदि को काटने के काम में आता है।

9. कर्नी :- पौधो को क्यारियों से निकालकर यदि किसी दूसरे स्थान पर रखना चाहें या किसी गमले में रखे तब कर्नी का प्रयोग करना चाहिए।

10. सबल :- यह जमीन में छेद करने के लिए प्रयोग किया जाता है, जिससे पौधों को आसानी से लगाया जा सके।

11. पाटा :- यह उबड़ - खाबड़ को समतल करने के काम आता है।

12. कटवारा :- यह एक बाल्टीनुमा छेददार यंत्र है। इसमें पानी भरकर इसका उपयोग सिंचाई तथा जल छिड़काव के लिए किया जाता है। इसमें पौधों की जड़ों में एक समान पानी पहुँचता है और उन्हें कोई नुकसान नहीं पहुँचता है।

13. स्प्रिंकलर :- यह उपकरण खेतों में पानी छिड़कने के काम में आता है।

Scanned with CamScanner